पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट मृतक कन्हैया के परिजनों से मिले

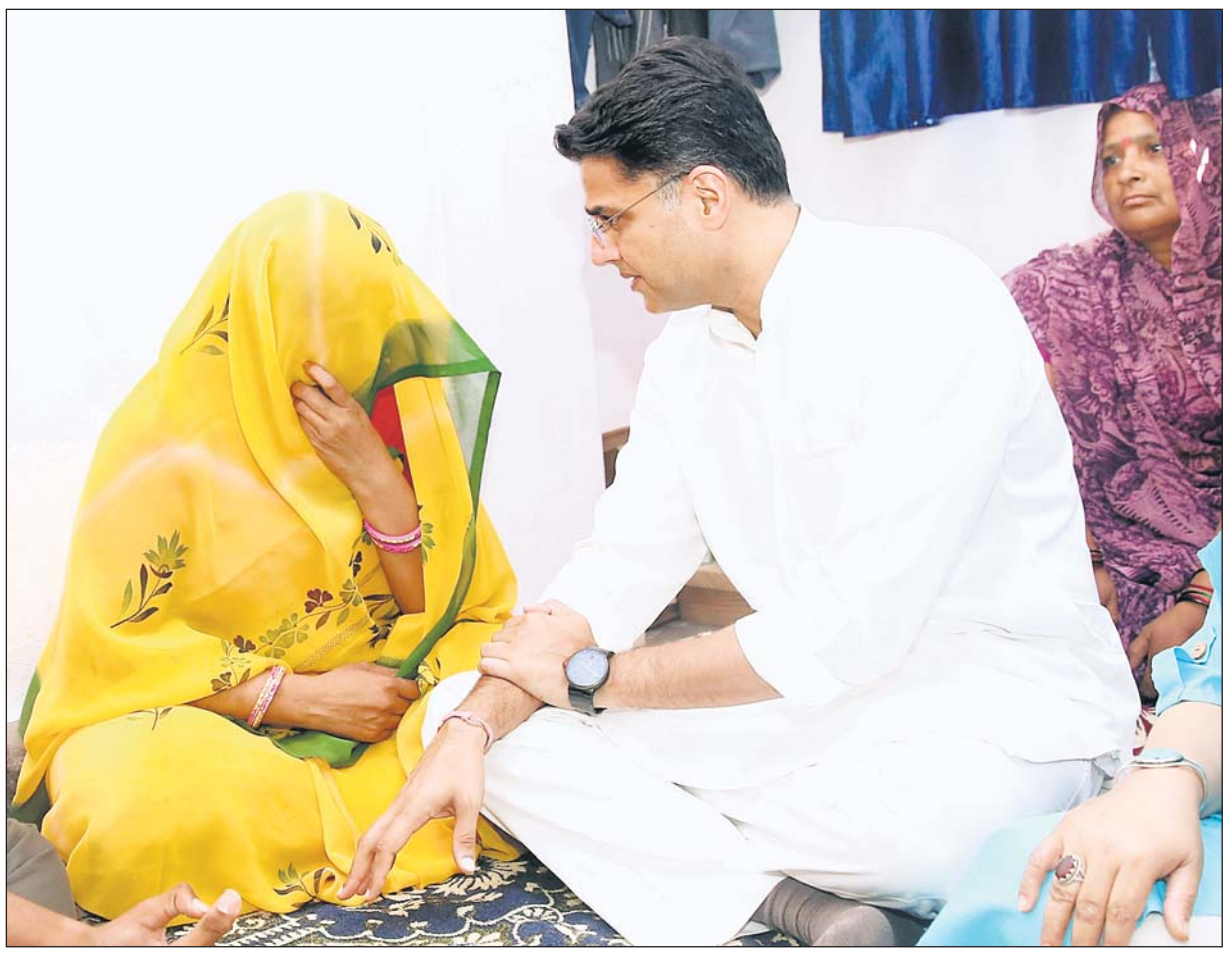

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट शुक्रवार को उदयपुर पहुंचे और कन्हैयालाल के परिजनों से मुलाकात की। पायलट ने उनके परिवारजनों के साथ काफी वक्त बिताया और कन्हैयालाल की पत्नी एवं दोनों पुत्रों से मिले। उन्होंने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुये, कन्हैयालाल के परिवारजनों को इस गहरे आघात को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। पायलट ने कहा कि, चाहे कोई भी जांच एजेंसी इस कार्रवाई को पूरा करे लेकिन वे चाहते हैं कि, जल्द से जल्द इस घटना की जांच पूरी हो और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाये ताकि आगे चलकर कोई भी इस तरह की घटना को अंजाम देने की हिम्मत नहीं जुटा सके।

- **सचिन पायलट ने कहा, कन्हैयालाल हत्याकांड के मामले की जांच तीव्र गति से हो और दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिले।**
- **सचिन पायलट के साथ मसूदा विधायक राकेश पारीक, विप्र बोर्ड अध्यक्ष महेश शर्मा, उदयपुर ग्रामीण से कांग्रेस प्रत्याशी विवेक कटारा, देहात जिला कांग्रेस निवर्तमान अध्यक्ष लाल सिंह झाला, मावली के गोवर्धन सिंह चौहान (कोटडी) भी मौजूद थे।**

उदयपुर, 8 जुलाई (का.सं.)। उदयपुर में कन्हैया लाल हत्याकांड के बाद मृतक के घर पर नेताओं के पहुंचने का दौर अभी जारी है। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट शुक्रवार उदयपुर पहुंचे और उन्होंने कन्हैयालाल के परिजनों को ढांढ़स बंधाया।

इस मौके पर सचिन पायलट ने कहा कि हत्यारों को नहीं बख्शा जाएगा तथा उन्हें सजा दिलाई जाएगी। इसके बाद उन्होंने मीडिया से कहा कि ''जिस तरह से दहशत पैदा करने की कोशिश की गई यह हम सब के लिए चेतावनी है। दोषियों को पकड़ा तो गया है लेकिन हम सभी चाहते हैं कि चाहे वह एटीएस हो, एसओजी हो या एनआईए हो जांच तीव्र गति से करे ताकि उन्हें जल्द से जल्द सजा हो। चाहे इनके लिए कोर्ट में नियमित सुनवाई हो या स्पेशल कोर्ट के माध्यम हो, लेकिन इस जघन्य हत्याकांड में शामिल लोगों और उनसे जुड़े सभी तारों की तह में जाना होगा उन्होंने कहा कि इस घटना के अभियुक्तों को फांसी से कम सजा नहीं होनी चाहिए। एनआईए को भी बहुत जल्द चार्जशीट फाइल कर सभी सबूत जुटाने चाहिए जिससे कि दोषियों को जल्द से जल्द फांसी हो और भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस तरह का काण्ड या हरकत ना कर पाए।''

सचिन पायलट ने कहा कि प्रदेश में और विशेष कर मेवाड़ और उदयपुर में ऐसी घटना की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी लेकिन यह घटना हुई। उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी चाहतें हैं कि पीड़ित परिवार को उचित न्याय मिले और अपराधियों को सख्त से सख्त सजा हो।

उन्होंने कहा कि आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है और मुझे विश्वास है अति शीघ्र न्याय मिलेगा। इस मौके पर पायलट ने प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर किसी के पास सोशल मीडिया के माध्यम से सूचनाएं आती है तो वह उसे फैलाने से पहले इस बात का ध्यान रखें कि उसके किस तरह के दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि ''इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं कन्हैयालाल के परिवार के साथ हैं। उन्हें सरकार और समाज द्वारा हर संभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।'' सचिन पायलट के साथ मसूदा विधायक राकेश पारीक, विप्र बोर्ड अध्यक्ष महेश शर्मा, उदयपुर ग्रामीण से कांग्रेस प्रत्याशी विवेक कटारा, देहात जिला कांग्रेस निवर्तमान अध्यक्ष लाल सिंह झाला और मावली के गोवर्धन सिंह चौहान (कोटडी) मौजूद रहे।

दिल्ली में, राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हरवाना शामिल होगा जो गहलोत की आड़े वक्त की बैस्ट फ्रैण्ड वसुन्धरा राजे के प्रति अपनी निष्ठा रखते हैं।

मुख्यमंत्री के अंदरूनी हलकों के सूत्र तो यहां तक कह रहे है कि यदि कांग्रेस सरकार का पतन हो जाता है तो उन्हें खुशी होगी क्योंकि इसका तात्पर्य होगा कि सचिन पायलट मुख्यमंत्री नहीं बनाए जा सकेंगे। वे इस युवा नेता के प्रति एक तर्कहीन नापसंदगी रखते हैं।

राजस्थान मीडिया के कुछ हिस्सों में यह नवीनतम खबर चलाई जा रही है कि पायलट को दिल्ली में एक अति महत्वपूर्ण पद दिया जाएगा।

गहलोत को शायद अब तक यह एहसास हो चुका होगा कि पायलट ऐसे कई ऑफर्स ठुकरा चुके हैं और अन्य सभी पदों के अलावा उनका मुख्यमंत्री पद पर ध्यान केन्द्रित है। यह एक ऐसी सोच है, जिसकी हवा निकालने के लिए गहलोत पहले से ही रात-दिन एक किए हुए हैं।

दिल्ली व हरियाणा में दवा निर्माता के परिसरों पर छापा

नई दिल्ली, 8 जुलाई (वार्ता)। आयकर विभाग ने एक दवा निर्माता एवं विरतक के हरियाणा और दिल्ली एन.सी.आर. स्थित 25 परिसरों पर छापेमारी की है जिसमें 4.2 करोड़ रुपये नकद तथा चार करोड़ मूल्य के आभूषण जब्त किये गये हैं।

विभाग ने आज यहां जारी बयान में कहा कि गत 29 जून को यह छापेमारी की गयी थी। संबंधित कंपनी न:न सिर्फ दवा बनाती और वितरण करती बल्कि रियल एस्टेट में भी कार्यरत है।

जांच दौरान पता चला है कि कंपनी ने अफगानिस्तान को दवा की आपूर्ति की और बदले में हवाला के माध्यम से नकद में भुगतान स्वीकार किया। इस लेन-देन में शामिल प्रमुख व्यक्ति ने इस बात को स्वीकार किया है। इस माध्यम से करीब 25 करोड़ रुपये के भुगतान स्वीकार किये जाने के रसीदें भी मिली है। कंपनी के दवा निर्माण के लिए 94 करोड़ रुपये के अतिशेष रसायन भी मिला है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज जयपुर दौरे पर

- **भाजपा मुख्यालय को दुल्हन की तरह सजाया गया।**
- **शाह के अलावा पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री और राजस्थान प्रभारी अरूण सिंह और राष्ट्रीय मंत्री अल्का सिंह गुर्जर भी जयपुर आए हैं।**

जयपुर, 8 जुलाई (का.सं.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को जयपुर दौरे पर रहेंगे। शाह अपने सरकारी कार्यक्रम के अलावा वे प्रदेश भाजपा मुख्यालय भी आएंगे। उनके अलावा पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह, और राष्ट्रीय मंत्री अलका सिंह गुर्जर भी जयपुर में रहेंगी। शाह का दौरा उस समय हो रहा है, जब राजस्थान में ईआरसीपी और उदयपुर हत्याकांड जैसे मामले में सियासत चरम पर है। ऐसे में शाह भाजपा मुख्यालय में इन मुद्दों पर सियासी और संघठनात्मक फीडबैक लेने के साथ ही आवश्यक दिशा निर्देश देंगे। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में अमित शाह का कार्यक्रम अनौपचारिक है। शाह केवल भाजपा मुख्यालय आएंगे। इसके लिए कोई प्रस्तावित बैठक या कार्यक्रम नहीं रखा गया है, लेकिन यहां आएंगे तो संगठनात्मक और सियासी चर्चा होना तय है। यही कारण है कि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह भी शनिवार सुबह ही जयपुर आएंगे। इसके अलावा पार्टी प्रदेश अध्यक्ष और पदाधिकारियों के साथ ही संगठन महामंत्री चंद्रशेखर और प्रदेश कमेटी से जुड़े नेताओं से भी चर्चा होने की संभावना है। भाजपा कोर ग्रुप में प्रदेशाध्यक्ष पूनिया, राठौड़ और कटारिया के साथ ही वसुंधरा राजे और प्रदेश आने वाले केंद्रीय मंत्रियों के अलावा कुछ सांसद शामिल हैं। इनमें से जो नेता जयपुर में रहेंगे वह शाह की मौजूदगी में होने वाली चर्चा में शामिल होंगे।

प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था को भाजप सियासी मुद्दा बनाती रही है और अब जबकि उदयपुर में जघन्य हत्याकांड सामने आया है जिसकी जांच खुद एनआईए कर रही है तो इन पर शाह न केवल सरकार बल्कि अपनी ही पार्टी का संगठन स्तर पर भी फीडबैक लेंगे। हालांकि ईआरसीपी मामले में भाजपा लगातार बैकफुट पर है और कांग्रेस हमलावर हो रही है। ऐसे में पार्टी की लाइन इस मुद्दे पर क्या रहने वाली है उसको लेकर भी संगठनात्मक चर्चा हो सकती है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह के जयपुर आगमन के दौरान एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ता उनका भव्य स्वागत करेंगे। पार्टी के स्तर पर जयपुर के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को उनके कार्यक्रम की सूचना दे दी गई है। ये बता दिया गया है कि कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए जयपुर एयरपोर्ट पहुंचें। भाजपा के तमाम संगठन और मोर्चे शाह के स्वागत की तैयारी जुट गए हैं। भाजपा मुख्यालय को भी शाह के दौरे से पहले दुल्हन की तरह सजाया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया का कहना है कि अमित शाह का जयपुर में उत्तर क्षेत्रीय रीजन की बैठक का सरकारी कार्यक्रम हैं। ऐसे में वह इसके बाद भाजपा मुख्यालय में केवल कुछ देर के लिए ही आएंगे और फिर वापस दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। पूनिया ने बताया कि शाह का पार्टी मुख्यालय पर कोई औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, अत: जो प्रमुख नेता और पदाधिकारी मौजूद रहेंगे वे उनसे ही मुलाकात करेंगे और फिर लौट जाएंगे।

अमरनाथ गुफा के पास बादल फटा, 15 श्रद्धालुओं की मौत

इस दुर्घटना में गुफा मार्ग पर करीब 40 से 45 लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है

- **बादल फटने के बाद अचानक जल प्रवाह बढ़ने के कारण सिंथन नाला उफान पर आ गया। जिसके कारण वहां भयानक तबाही हुई है।**

श्रीनगर, 8 जुलाई। पिछले दिनों ही शुरु हुई अमरनाथ यात्रा के बीच एक बेहद दुखद खबर है, शुक्रवार को अमरनाथ गुफा के पास बादल फट गया। अचानक बादल फटने से इलाके में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। इस दुर्घटना में 15 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है।

राहत एवं बचाव दलों ने 3 महिला और 2 पुरुष श्रद्धालुओं के शव बरामद किए हैं। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। हर रोज करीब 15 हजार श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए पवित्र गुफा पहुंच रहे हैं। एक हफ्ते पहले ही 30 जून को अमरनाथ यात्रा शुरू हुई है और एक हफ्ते में ही कई बार खराब मौसम की वजह से यात्रा को रोकना पड़ा है।

गौरतलब है कि, जब यह घटना हुई तब मौके पर करीब 12 हजार यात्री मौजूद थे। अमरनाथ गुफा से करीब 2 किलोमीटर दूर यह घटना हुई है। जानकारी के मुताबिक अमरनाथ की गुफा के नीचे शाम साढ़े 5 बजे के करीब बादल फटा। मौके पर एन.डी.आर.एफ. और एस.डी.आर.एफ. और तमाम संबंधित एजेंसियां राहत और बचाव कार्य में जुट गई हैं। इस घटना के बाद अमरनाथ यात्रा को रोक दिया गया है।

वहीं, गौरतलब है कि, 2 दिन पहले ही जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के बीच अमरनाथ यात्रा को पहलगाम और बालटाल दोनों रूट से रोक दिया गया था। मंगलवार को यात्री आधार शिविरों से आगे नहीं बढ़ने दिए गए थे। भारी भूस्खलन से श्रीनगर-लेह नैशनल हाईवे मंगलवार को घंटों प्रभावित रहा था।

जम्मू संभाग को कश्मीर से जोड़ने वाले सिंथन टॉप क्षेत्र में तड़के बादल फटने से सिंथन नाला उफान पर आ गया था। मानसून सक्रिय होने से प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हो रही है।

'महाराष्ट्र में पुन: नये सिरे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देश '' सत्यमेव जयते'' पर टिका हुआ हैं, ''असत्यमेव जयते'' पर नहीं।''

उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय सोमवार को जो फैसला देगा, वह केवल शिवसेना के भविष्य का नहीं, भारतीय लोकतंत्र के भविष्य का भी होगा।

सर्वोच्च न्यायालय उस याचिका पर निर्णय देने वाला है, जिसमें शिवसेना के 16 विद्रोही विधायकों की ''डिसक्वालिफिकेशन'' की माँग की हैं। यह अदालत जो एकनाथ शिन्दे को राज्य में सरकार बनाने के लिये आमन्त्रित किये जाने के महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोशियारी के निर्णय को शिवसेना द्वारा चुनौती दी जाने वाली याचिका की भी सुनवाई करेगी।

उन्होंने कहा, ''हम लोकतन्त्र तथा संविधान को लेकर चिन्तित हैं। न्यायपालिका में मेरी आस्था हैं। न्यायपालिका क्या निर्णय लेगी- इस बात पर हर व्यक्ति की नज़र है। लोग यह देखने के लिये नज़र जमाये हुये हैं कि हमारा लोकतन्त्र कितना मजबूत है। मैं फैसले के बारे में चिन्तित नहीं हूँ। कानून अपना काम करेगा।''

ठाकरे ने कहा, ''शिवसेना को कोई नहीं छीन सकता। एक विधायक दल है तथा एक पार्टी है जो जमीनी स्तर पर काम करते हैं। क्या कोई पार्टी केवल इसलिये खत्म हो सकती है कि उसके विधायक उसे छोड़ गये है? डर पदा करने की कोशिश की जा रही है। उनकी बातों में न आयें। विधायक दल तथा रजिस्टर्ड राजनैतिक दल दो अलग-अलग चीजें हैं।''

ज्ञातव्य है कि एकनाथ शिन्दे, जिन्हे भाजपा का समर्थन हासिल था, ने पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के खिलाफ शिवसेना में एक बगावत का नेतृत्व किया था। उन्होंने ज्यादातर विधायक का अपनी ओर खींच लिये थे। तथा सरकार गिरा दी थी।

शिन्दे ने 30 जून को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी तथा भाजपा के देवेन्द्र फड़नविस उप-मुख्यमंत्री बने थे। चार दिन बाद, शिन्दे ने सदन का विश्वास हासिल करते हुये, 288 सदस्यीय विधानसभा में 164 वोट हासिल किये थे, जो 144 के स्पष्ट बहुमत के आँकड़े से ज्यादा थे। उनके खिलाफ केवल 99 विधायकों के ही वोट रहे थे। उद्धव ठाकरे की पार्टी के अधिकांश विधायक उन्हें छोड़कर, विद्रोही गुट के रूप में अस्तित्व में आये गुट में चले गये थे, लेकिन अब यह गुट, मूल ग्रुप से बड़ा है तथा असली शिवसेना होने का दावा कर रहा हैं।

बहुत से कॉर्पोरेटर भी अब एकनाथ शिन्दे के गुट की ओर जा रहे हैं तथा महाराष्ट्र स्थानीय निकायों जो शिवसेना के बहुत मजबूत प्रभाव क्षेत्र थे, पर भी उद्धव ठाकरे का नियन्त्रण कमजोर होता जा रहा है।

चंडीगढ़ में स्कूल में पेड़ गिरा, एक बच्ची की मौत

चंडीगढ़, 8 जुलाई। चंडीगढ़ के एक स्कूल में पेड़ गिरने से उसकी चपेट में कई स्कूली बच्चे आ गये। इस घटना में एक बच्ची की मौत हो गई व 13 अन्य बच्चे घायल हो गये। जानकारी के अनुसार चंडीगढ़ के सैक्टर-9 स्थित एक स्कूल में सुबह ही एक विशालकाय पेड़ टूटकर गिर गया। पेड़ गिरने से कई बच्चे इसकी चपेट में आए हैं। बताया जा रहा है कि एक बच्ची की मौत और 13 स्कूली बच्चे घायल हुए हैं। बच्चे लंच टाइम में पेड़ के पास खेल रहे थे, वहीं कुछ बच्चे खाना खा रहे थे। तभी उसी समय यह पेड़ बच्चों पर गिरा। घायल बच्चों को जी.एम.एस.एच अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं हादसे की सूचना मिलते ही बच्चों के पेरेंट्स घबराकर स्कूल पहुंचे। इस हादसे के बाद गेट पर पेरेंट्स के हंगामा करने लगे। बताया जा रहा है कि उस समय छठी से 12वीं कक्षा तक के बच्चे पेड़ के नीचे खेल रहे थे।

सपा का कोई भी गठबंधन चुनावों के बाद ज्यादा दिन नहीं टिकता

विधानसभा चुनाव में सहयोगी बने ओ.पी. राजभर ने कहा कि, हमारा गठबंधन अंतिम सांसें गिन रहा है, बस मैं अखिलेश यादव की तरफ से ''तलाक'' की घोषणा होने का इंतजार कर रहा हूं

लखनऊ, 8 जुलाई। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक पुरानी कहावत है कि, समाजवादी पार्टी की उसके गठबंधन दलों से दोस्ती ज्यादा दिनों तक नहीं चलती। चुनावों से पहले गठबंधन होता है और चुनाव हो जाने के बाद गठबंधन टूट जाता है।

इस बीच खबर है कि, गत विधानसभा चुनावों के दौराना हुआ सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के बीच गठबंधन टूटने की तैयारी चल रही है। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि उन्हें अखिलेश यादव की तरफ से 'तलाक' मिलने का इंतजार है और वह सपा से गठबंधन तोड़ने को लेकर अपने स्तर से पहल नहीं करेंगे। सुभासपा और सपा के बीच तल्खी बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति पद के लिये विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार यशवंत सिन्हा की प्रेस कांफ्रेंस में भी नजर आई थी क्योंकि सपा ने इस प्रेस कांफ्रेंस में गठबंधन के सहयोगी रालोद के प्रमुख जयंत सिंह को तो बुलाया था लेकिन सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर नजर नहीं आए थे।

राजभर ने कहा कि, वे सपा से गठबंधन तोड़ने को लेकर अपने स्तर से पहल नहीं करेंगे। उन्होंने सपा से तल्खी को लेकर मीडिया में आई खबरों पर बोलते हुए कहा, ''उन्हें सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की तरफ से 'तलाक' मिलने का इंतजार है।'' उन्होंने कहा, ''वह अब भी सपा के साथ हैं। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव यदि उन्हें अपने साथ नहीं रखना चाहेंगे तो वह सपा के साथ जबरदस्ती नहीं रहेंगे।''

उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा विपक्षी दलों के राष्ट्रपति पद के संयुक्त उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के समर्थन में आयोजित बैठक में सम्मिलित नहीं होने को लेकर पूछे जाने पर कहा कि अखिलेश यादव भूल गए होंगे, इसलिए उन्हें बैठक में नहीं बुलाया। राजभर ने एक सवाल के जबाव में कहा कि वह राष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर समर्थन के मसले पर अपने फैसले की घोषणा 12 जुलाई को करेंगे। उन्होंने कहा कि वह शुक्रवार को मऊ और शनिवार को बलिया एवं गाजीपुर में पार्टी के कार्यकर्ताओं से बात करेंगे तथा इसके बाद अपना फैसला सार्वजनिक करेंगे।

संजय राउत के खिलाफ वारंट जारी

मुम्बई, 8 जुलाई (वार्ता)। महाराष्ट्र में मुम्बई की एक स्थानीय अदालत ने शुक्रवार को भाजपा नेता किरीट सोमैया की पत्नी प्रोफेसर मेधा सोमैया द्वारा दायर मानहानि मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है।

'भाजपा का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जयपुर में, आदिल सिंह बोपाराई नागपुर में, दीपेन्द्र सिंह हूडा अहमदाबाद में, पल्लम राजू चेन्नई में, पवन खेड़ा रायपुर में, राजीव गौड़ा कोलकाता में, संजय निरूपम पटना में, शोभा ओझा लखनऊ में और सरदार सुखपाल सिंह हीरा जम्मु में प्रैस कॉन्फ्रैंस करेंगे। शिमला, देहरादून, चंडीगढ़, बैंगलोर, हैदराबाद, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, रांची, विशाखापट्नम और पुड्डुचेरी में भी प्रैस कॉन्फ्रैंस होंगी।

शिंज़ो आबे को गोली लगने की खबर से चीन के सोशल...

- **क्वाड, आज यथार्थ है, पर बहुत विपरीत परिस्थितियों में इसका जन्म हुआ, क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध जीतने के बाद, ''न्यूरमबर्ग ट्रायल'' की भांति, विजेता एलाइड देशों, मुख्यतया अमेरिका ने जापान के सम्राट हीरोहीतो को ''वॉर क्राइम्स'' के लिये अपराधी घोषित करने के लिये एक ट्रिब्युनल गठित किया था। इस तीन सदस्यीय ट्रिब्युनल में भारत के न्यायाधीश राधा विनोदपाल भी सदस्य थे। पर उन्होंने सम्राट को ''वॉर क्रिमिनल'' घोषित करने से इंकार कर दिया, भारी दबाव के बावजूद। आज भी न्यायाधीश, न्यायाधीश पाल के साहस की सराहना करते हैं और भारत को मित्र के रूप में देखते हैं।**
- **प्र. मंत्री शिंज़ो आबे ने पुरानी ''अपराध बोध'' जैसी मानसिकता से जापान को मुक्त कराया तथा न्यूक्लियर पावर के परम्परागत भारी विरोध के बावजूद भारत को गले लगाया।**

समझ में आ सकता हैं।

न्यायमूर्ति राधा बिनोद पाल उस ट्रिब्यूनल के जज थे, जो जापान के सम्राट हिरोहितो को युद्ध अपराधी मानते हुये, उनके खिलाफ सुनवाई कर रहा था। इसके साथ ही यूरोप के न्यूरेम्बर्ग में सम्बन्धित मुकदमों की सुनवाई चल रही थीं। न्यायमूर्ति पाल को एक जज के रूप में अपनी न्यायनिष्ठा को बनाये रखने की चुनौती का सामना करना था क्योंकि जापान के सम्राट के अभियोग की सुनवाई करने वालों में बहुमत पश्चिमी जजों का था।

जस्टिस पाल अपने अन्तकरण की जावाज सुनी तथा अपने विवेक से काम लेते हुये, सम्राट को क्रिमिनल मानने के फैसले पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। इसके बजाय उन्होंने कहा कि जापान ने सैन्य कार्यवाही का वही रास्ता अपनाया था, जो विजेता रहे ''मित्र देशों'' ने अपनाया था। अन्तर केवल इतना रहा कि वे विजयी रहे तथा ये पराजित हो गया।

जस्टिस पाल पर बहुत दबाव डाले गये। दुनिया की सर्वोच्च ताकतों, अमेरिका की ओर से उनके ऊपर, अन्य जजों की तरह काम करने के लिये, जबरदस्त दबाव आये थे। अनेक प्रलोभन दिये गये। लेकिन इस भारतीय जज ने अपने निर्णय से जरा-सा भी हिलने से साफ इनकार कर दिया। जस्टिस पाल को इस न्यायप्रियता एवं दृढ़ता के कारण, वे जापानियों के बहुत प्रिय हो गये थे।

आबे का परिवार देश के इतिहास तथा युद्ध के बाद के काल के उतार-चढ़ावो एवं उपलब्धियों में शामिल था उनके नाना और दादा दोनों ही राजनीति में थे। शिंज़ो के नाना नोबूसूके कीशी 1957 से 1960 तक जापान के प्रधानमंत्री रेहे थे। उनके दादा कान आबे 1937 से 1946 सांसद थे।

आबे एक ऐसे प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने चीन के उदय को, जापान तथा उसके राजनैतिक अस्तित्व के तौर-तरीकों के लिये एक स्थाई खतरे के रूप में पहचान लिया था। वे एक सच्चे लोकतन्त्रवादी थे। जब वे प्रधानमंत्री थे, उन्होंने एशिया में उन्होंने ''आर्क ऑफ डैमोक्रेसी'' की अपनी अवधारणा प्रस्तुत की थी।

भारत और जापान एशिया के दो महत्वपूर्ण लोकतान्त्रिक देश हैं था इन्हें लोकतान्त्रिक ताकतों का एक गठबंधन बनाना चाहिये। वर्ष 2006 में, भारत-जापान के संयुक्त गठबंधन की बात करना कोई बहुत अच्छी बात नहीं मानी जा सकती थी, क्योंकि वाजपेयी की पहली सरकार के दौरान 1998 में हुये परमाणु परीक्षणों को हुये ज्यादा समय नहीं हुआ था।

भारत के परमाणु परीक्षणों, जिनके कारण भारत एक परमाणु शक्ति के रूप में उभरकर आया था, को लेकर जापान ने घोर नाराजगी भरी प्रतिक्रिया दी थी। जापान, जिसे परमाणु बम के कारण हुई तबाही का अनुभव था, परमाणु ताकत से जुड़ी सभी चीजों का घोर विरोधी हो गया था।

जापान, जो आज आत्म रक्षा के लिये परमाणु को गले लगा रहा है, का उस स्थिति को बदल पाना कितनी बड़ी बात है। अब जापान यह स्वीकार करने लगा है कि निकट भविष्य को ध्यान में रखते हुये, परमाणु ताकत को किसी ने किसी रूप में अपनाना देश के लिये जरूरी है। इस बदलाव के पीछे आबे की बहुत बड़ी भूमिका रही थी तथा द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जो भी वर्जनाएं लागू की गई थी, उन्हें आबे ने तोड़ दिया था, हटा दिया था।

वस्तुत: इन दिनों अड़ियल रूख वाले चीन के भय बर्बर व्यवहार के चलते, चीनी आक्रामकता के डर से, ज्यादा क्षमताएं हासिल करने के सुरक्षा सिद्धान्त मजबूत हुये हैं। कारण जो भी रहे हों, यूक्रेन में रूस के बर्बर युद्ध ने इस धारणा को और ज्यादा पुष्ट किया हैं, क्योंकि रूस ने अन्तर्राष्ट्रीय संबंध के सभी स्थापित तौर तरीकों के प्रति घोर असम्मान प्रदर्शित किया हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय स्थिति में घोर अनिश्चितताओं के सन्दर्भ में, भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया तथा अमेरिका से मिलकर बने क्वॉड की एशिया के मामलों में प्रतिवादी प्रासंगिकता है। क्वॉड को आबे के ''आर्क ऑफ डेमोक्रेसीज'' का सीधा परिणाम माना जा सकता है। जब यह विचार शिंज़ो आबे के दिमाग में पहली बार आया होगा, उस समय सैन्य विस्तार की बात शायद ही अस्तित्व में आई होगी, लेकिन यह विचार, उसके बाद सामने आई सुरक्षा सम्बन्धी समस्याओं के बढ़ने के साथ मजबूत होता गया।

2006 में कई कारणों से, भारत के लिये शिंजों से बेहतर मित्र कोई नहीं था। उन्होंने 2006 में ही दक्षिण एशिया को लेकर अपनी कुछ पहल शुरू की थी।

'खादी व...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़कर रिकॉर्ड 94 बिलियन डॉलर होना हो। उन्होंने अब ऐसे वक्त में चीन से आयातों का 45 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 94 बिलियन डॉलर होना हो। उन्होंने अब ऐसे वक्त में चीन से भारी मात्रा में भारतीय झण्डों के आयात के दरवाजे खोल दिए है, जबकि चीन की सेनाओं ने लद्दाख के एक हजार वर्ग कि.मी. क्षेत्र पर कब्जा किया हुआ है। कर्नाटक खादी ग्रामोद्योग संयुक्त संघ ही ऐसी एकमात्र यूनिट है जिसके पास खादी के राष्ट्रीय ध्वज उत्पादित करने क लायसैंस है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस ध्वज सत्याग्रह में स्वयं को राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर पूरी तरह से जोड़ती है और सभी राष्ट्रवादी शक्तियों से इसमें शामिल होने का अनुरोध करती हैं।

बीजिंग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुरक्षा पर संदेह के चलते बुजुर्गों के वैक्सिनेशन की गति बेहद धीमी है। चीन ने अभी विदेशों में बनी वैक्सीन को मान्यता नहीं दी है। मई के आरंभ में 60 वर्ष से अधिक आयु के 82 प्रतिशत लोगों को वैक्सीन के दो शॉट्स लग चुके है। जबकि आम आबादी में यह संख्या 89 प्रतिशत है। मार्च तक 80 साल से अधिक उम्र वाले मात्र 51 प्रतिशत लोगों को वैक्सीन के दो शॉट्स लगे थे।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908